The लखनऊ टाइम्स.com

पर्यावरण के अनुकूल हर क्षेत्र में सतत विकास तरीकों को अपनाने की जरूरत : प्रो.भरत राज सिंह

June 20, 2021 | 1 minute read

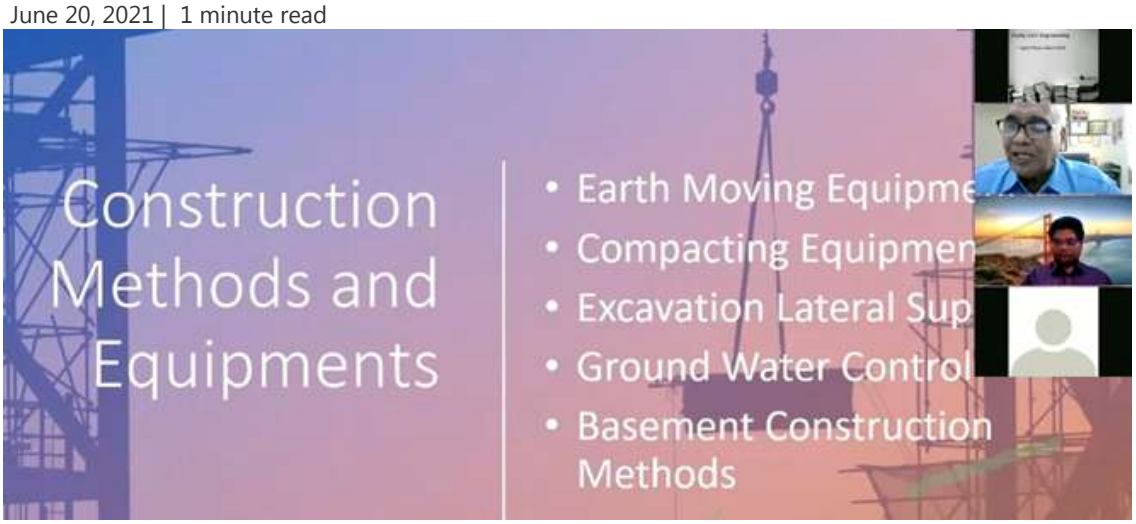

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज में 'निर्माण उपकरण और तरीके' पर वेबिनार

लखनऊ : एक वैश्विक महामारी, COVID 19 के कारण शिक्षा प्रणाली को गंभीर क्षति हुई है। पिछले एक वर्ष छह महीनो से पढ़ाने और सीखने के वैकल्पिक तरीकों ने ऑनलाइन व्याख्यान, प्रशिक्षण और वेबिनार के रूप में प्रमुखता दी गयी है। शिक्षा के क्षेत्र में वर्षों के अनुभव के साथ स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के सबसे प्रसिद्ध संस्थानों में से एक है, जिसने अपने शिक्षाविदों की कार्यप्रणाली और दूरदर्शिता के साथ रिकॉर्ड दर्ज कर अपनी यह जगह बनाई है। कॉलेज ने अपने क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज्ञान देकर उद्योग के लिए पेशेवरों को तैयार करने में अद्वतीय मार्गदर्शन व प्रदर्शन किया है। अपने इस गौरवशाली ट्रैक रिकॉर्ड की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए, ऑनलाइन शिक्षा के क्षेत्र में भी बड़ी प्रगति की है और यह आयोजित वेबिनार भी उसी का मिसाल है।

आयोजित वेबिनार विषय "निर्माण उपकरण और तरीके" था, जिसके लिये सचिव व कार्यकारी अधिकारी शरद सिह का आशीर्वाद तथा इसमे उपस्थित महानिदेशक (तकनीकी) डॉ. भरत राज सिंह और डीन (आईईटी), डॉ. धर्मेंद्र सिंह, डॉ. आशा कुलश्रेष्ठ, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, एचओडी (सीई) से इसकी महत्ता अधिक बढ गयी। प्रारम्भिक उद्बोधन, डॉ. भरत राज सिंह, जो वरिष्ठ पर्यावरणविद व महाप्रबंधक हैं, ने किया। उन्होंने पर्यावरण के अनुकूल ही हर क्षेत्र में सतत विकास के तरीकों को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया और बताया कि जलवायु में हो रहे परिवर्तन को पर्यावरण को संरक्षित करने की अपार संभावनायें निर्माण कार्यों में मौजूद हैं। इस दिशा में एसएमएस संस्थान द्वारा अभी तक समाज के उत्थान में किये गये कार्यों पर भी प्रकाश डाला और

बताया कि यह संस्थान *शैक्षिक प्रगति के साथ-साथ अनेकोनेक सामाजिक कार्यों में भी सबसे आगे रहा है।*

वेबिनार के मुख्य वक्ता डॉ शुमांक दीप थे जो इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ में एसोसिएट प्रोफेसर और न्यूकैसल विश्वविद्यालय से पीएचडी है। डॉ. शुमांक दीप ने अपने संबोधिन में निर्माण क्षेत्र में उपयोग हो रहे विभिन्न उन्नत निर्माण उपकरणों पर अपनी चर्चा प्रस्तुत की। उन्होंने चेन माउंटेड एक्सकेवेटर, व्हील माउंटेड एक्सकेवेटर, बैक हो लोडर, सॉयल कॉम्पेक्टर आदि मशीनों के काम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने विभिन्न निर्माण प्रथाओं पर भी चर्चा की। उपस्थित लोगो ने निर्माण उद्योग और परियोजना प्रबंधन के बारे में कई नई चीजो के बारे में जांकारी प्राप्त की। वेबिनार का समापन एक प्रश्नावली दौर के साथ हुआ जहां उपस्थित लोगों ने स्पीकर के प्रति अपने प्रश्न रखे। उसके उपरांत, इस वेबिनार कोआर्डिनेटर सैयद शूजा अस्करी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

---

http://thelucknowtimes.com/there-is-a-need-to-adopt-sustainable-development-methods-in-every-environment-friendly-area-prof-bharat-raj-singh/